

DPN 6783

Title : धारणी संग्रह DHĀRANT SANGRAHA

Run. No. 7508

Cat. No.

Micro. No.

Subject धारणी Dharani

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 19. x 7.5

Folios 11

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya ✓ saphu /

Condition : fine / damaged ✓ by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. ॐ नमो भगवते मञ्जुनाथाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते मञ्जुश्री कुमारभूताय बोधिसत्वाय ॥

P.T.O.

१. मञ्जुश्री महारक्षस्य प्रतिज्ञा नाम धारणी ॥
२. शाक्यमुनि नाम धारणी ॥
३. ~~श्री~~ पद्मोत्तर नाम धारणी ॥
४. वैरोचन नाम मन्त्रोद्धारणी ॥
५. अक्षोभ्यनाम " "
६. रत्नसंभवनाम " "
७. अमिताभ नाम " "
८. अमोघसिद्धि " "
९. इतराज्ञान नाम धारणी ॥
१०. रत्नत्रिराशि हृदय नाम धारणी ॥

गार्ध्ववलिपयविलयनकः उरुचुडिपुंयुयिवरुचुदंरुदं चक
 मसकलंरुगनु ॥ उंनभाप्रवृत्तयायचववृत्तयानयमादाकाधाय
 मादाडक्षालकं नवायचसिमसमयनसूयासगहिनहस्तयउरुम
 नकंदलिंउंस्वस्वस्वहिंमिष्टंवेधंरुदनंरुदंरुयचंरुविस्त्रुमयं
 मादागनयनिकिविगोधकायायवस्वस्वस्वहंरुहंरुहंस्वस्वहाः ॥ यंलंघं
 रुमि ॥ यनविसर्जन ॥ उंवडसत्समयमनयालयवडसत्समनयनि

स्नादुदामरुवसासकमरुसकयामरुवज्वगकागरुवउंसावसिद्धिम
 ययडसकमसूडमचिरुसिचंरुहंरुहंरुहंरुहंरुगवन्सर्वनथाग
 वसाभंरुचवडिरुवमदासमयसत्तजाः ॥ रूमावसत्तार्थसिद्धदला
 ज्थानुगमाधिंनयंमादास्वस्वयनगागमतायचउंजाहंरुवडमंदनं
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

र(उंरुवहंजिवनियडीहंरुहंरुहंरुहं ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

२०
 १५
 १०
 ५
 ०

तर्जनमोमंशनाथय ॥ ॥ ॐ नमो तगवतः सं ॐ श्री कृष्णाय
 ततो यथाधिसत्ताय सदा सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय
 दधः ॐ नमो तगवतः सं ॐ श्री कृष्णाय सत्ताय सत्ताय सत्ताय
 सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय
 सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय

वति ॐ नमो तगवतः सं ॐ श्री कृष्णाय सत्ताय सत्ताय सत्ताय
 सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय
 सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय
 सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय
 सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय सत्ताय

नि न्याय ताव न पत्र सिद्धि तावन्ति ॥ ॐ ति स श्रुता त्रु
 प्रक सा पुष्पि ना स धा त्र नि स सा फ ॥ ७ ॥ ॐ त सर्व
 ॐ न सा धी स धा तु धा न स ॥ ॥ ॐ न सा श्रु त्रु य धः धर्म स
 घ स त्र न ग क्ता मि ॥ ॐ न सा त्र ग व न व क्त गु त्र धा स सा क्ता
 त्र नि का यः न सा सा क स न य त धा ग ता या इ तं न स सा क्तं

य धा य ॥ त द धा ॥ ॐ न श्रु त्र स सा स न य सा ला ॥ ॐ ति
 सा क्त स नि ना स धा त्र नि सा फ ॥ १ ॥ ॥ ॐ न सा त्र ग
 य न क क्ता त्र त्र ता ता य न धा ग ता या इ तं न स सा क्तं य धा य ॥ त द
 धा ॥ ॐ क क्त २ स सा क क्त क क्ता क्ता य तु वा य ती ग क्त ग क्त
 सा ॥ ॥ ॐ ति क क्त त्र त्र ना स धा त्र नि स सा फ ॥ २ ॥ ॥

भाक्तवधाय ॥ नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 हव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 व ॥ नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 तं स्यात्कृतवधाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यत्कृतवधाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 त्रिंशदा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृतवधाय ॥ नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मान्मुत्र सर्वनामाभिर्हं ॥ सुतो मुमसु ॥ ॐ आवं वजाद कर्हं साहा ॥ संवः
सलादा ननेना कयसं नय ॥ ऊर्थादिजा नमा नन सना यिना सर्वनाथा गम
नथा हं सना ययिथा मिसूयं रुदिर्यनवात्रिना ॐ आ सर्वनाथा गम ऊरिः
उव कसं हि यर्हं ॥ संयुलवनसाय ॥ ॐ द्वीः स्वाहा ॥ नसलाकाय ॥ ॐ काथा विः
स्वधने स्वाहा ॥ संवलवनयुजा कलसाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यनथागनायाज्जहं सम्यक् वधाय नयथां ॥ उं पृथु नदाय पृथु सूर्य पृथु
रुव पृथु सं रुव पृथु वकि न न स्वादा ॥ पूकारु न धिय ॥ उं आ हूं ॥ कषा न ग क
थ धिय का व स न य ॥ उं नि थ व रु आ स न हूं ॥ ऊ आ वा दा स नि न ॥ उं सर्व या या
न य हूं ॥ उं आ वा दा स नि न ॥ उं म नि ध नि वि कि नि मा हा य ति स न न ऊ रूं मी
हूं हूं रु ट् स्वा दा ॥ ऊ ल स ऊ य ॥ उं व रु नि न क रु ख न स्वा दा ॥ म लु ल स च न
ने नि य ॥ उं व रु रु म्य हूं रु ट् ॥ उं व ऊ द क हूं ॥ उं व रु ग म य हूं ॥ उं व रु न य रु

प्रथमं सर्वं नथागमज्जिष्ठं तु स्वाहा ॥ दानं गामय मं वृणां च सदिर्गं सिलं च
 समाकुनें काकुि कुडं यि यि कानय नय विथी कया थाय नं ध्यानं न कुनें
 मय कचि न क प्रयस्तु सूत्रं यज्जालाय माया मिति नाश्वदं लरु व कृत्वा मनि
 मल्लुलं रुवकु कनक वरुं सर्वला कवि निमूकं ॥ सूत्रमन ऊविधिं चं चड
 वडि कुं कां निधन कनक समर्थ आयन जाड वंश ॥ सुगत वय गृह्णन्
 कायकं मानं कृत्वा ॥ उं ज्जिष्ठाना ज्जिष्ठं तु स्वाहा ॥ उं चडा का विमय

[illegible]

स॥ उँ आ उयदियायनमः॥ ऊअकाथकनस॥ उँ येगऊनलायनमः॥ हन
 उँ मँ अस्व नलायनमः॥ स्वअस॥ उँ नेयूस्व नलायनमः॥ थन॥ उँ वेसुन
 लायनमः॥ ऊअस॥ उँ याचऊ नलायनमः॥ स्वअकाथकनस॥ उँ नास्व न
 लायनमः॥ अअथथकानस॥ उँ नामनि नलायनमः॥ ऊअथथकानस॥ उँ
 आसर्वनिधाया नमः॥ ऊअकाथकानस॥ उँ चंचायायनमः॥ अअन॥ उँ
 सूर्यायनमः॥ कान॥ उँ आ हँ धीवऊ गुन्यायनमः॥ दथस॥ थनयंचयहा

ययऊ॥ उँ वऊ गंधस्वाहा॥ उँ वऊ यथस्वाहा॥ उँ वऊ धृथस्वाहा॥ उँ वऊ दि
 थस्वाहा॥ उँ वऊ नेवयस्वाहा॥ उँ चउमहं मथामं मूरुसुदिनायथरिने
 नानावत्तसमाकिर्त्तनं नमो नमो दीयनिगुन्यावद्धधर्मस्वासाधस्वाद्यनथ
 वचनिर्या नयामिरावनसंपूर्णनलमस्तुलं॥ जाकि कया हाऊयचानः॥
 उँ आ हँ धीमनवऊसगुन्यवमश्चनकमलायसंम्यकेस्वानावहासनं
 कया॥ उँ आ नमा हं नमस्तु नमानमः॥ रुक्मा हं त्वानमस्यामिगुन्या

२०
१५
१०
५
०
५
१०
१५
२०
२५
३०
३५
४०
४५
५०
५५
६०
६५
७०
७५
८०
८५
९०
९५
१००
१०५
११०
११५
१२०
१२५
१३०
१३५
१४०
१४५
१५०
१५५
१६०
१६५
१७०
१७५
१८०
१८५
१९०
१९५
२००
२०५
२१०
२१५
२२०
२२५
२३०
२३५
२४०
२४५
२५०
२५५
२६०
२६५
२७०
२७५
२८०
२८५
२९०
२९५
३००
३०५
३१०
३१५
३२०
३२५
३३०
३३५
३४०
३४५
३५०
३५५
३६०
३६५
३७०
३७५
३८०
३८५
३९०
३९५
४००
४०५
४१०
४१५
४२०
४२५
४३०
४३५
४४०
४४५
४५०
४५५
४६०
४६५
४७०
४७५
४८०
४८५
४९०
४९५
५००
५०५
५१०
५१५
५२०
५२५
५३०
५३५
५४०
५४५
५५०
५५५
५६०
५६५
५७०
५७५
५८०
५८५
५९०
५९५
६००
६०५
६१०
६१५
६२०
६२५
६३०
६३५
६४०
६४५
६५०
६५५
६६०
६६५
६७०
६७५
६८०
६८५
६९०
६९५
७००
७०५
७१०
७१५
७२०
७२५
७३०
७३५
७४०
७४५
७५०
७५५
७६०
७६५
७७०
७७५
७८०
७८५
७९०
७९५
८००
८०५
८१०
८१५
८२०
८२५
८३०
८३५
८४०
८४५
८५०
८५५
८६०
८६५
८७०
८७५
८८०
८८५
८९०
८९५
९००
९०५
९१०
९१५
९२०
९२५
९३०
९३५
९४०
९४५
९५०
९५५
९६०
९६५
९७०
९७५
९८०
९८५
९९०
९९५
१०००

थयसिद्धम॥उत्पत्तसादकिब्रह्मःस्मृतिनामनमोत्रयुक्तयलिकनं
यहमोधकात्रायःयस्युनावित्रदुसधविनासंवेकृमेनमकृतित्रियं
उत्पत्तसादकिब्रह्मःस्मृतिनामनमोत्रयुक्तयलिकनं
॥त्रिकुयिसननेनमाःसर्ववर्द्धनमस्यामिद्धर्मचडिनरुखिनेसधं
सिलसंयत्रप्रवृत्तयनमास्तु॥नलत्रयभसत्रनेसर्वयुक्तिदिष्टाभयज
नमादङ्गगत्पुष्टंवधवाधोदधमनः॥आवाधोसत्रनेजामिवद्धधर्म

गहानमवाधोचिरुक्तवाभस्वस्वयनार्थयसिद्धयः॥उत्पत्तसादकिब्रह्मः
यत्रमंवलवाधिविचरु॥निसनयामिवहसर्वसत्त्वान्॥उत्पत्तसादकिब्रह्मः
नवाधिविचरिकावृद्धावृद्धयंजगतादिनाय॥दशनानांसायानांय
स्थानांचानमादनां॥कृतायुक्तसंचित्रिण्यामिजार्थाङ्गगयाधधः॥म
यावाधनमध्वनजुक्तिकिर्यायमागम्युक्तयवदिसामयः॥युक्त
नयावदिभवच॥ननुयंमनुयंननयनिगुदंयुतायका॥नकनवमि

येनाथा नकनर्वेयनमया ॥ ऊथान नथागना आर्या जर्ह न सत्यसो
धाधो ॥ वधरुन न वधवक्रया ॥ जाननियस्यनि न सलमल ॥ ऊकी
निकैऊ नि कायंऊ लखरावऊ लऊ नेंऊ याधर्म नया ससुधन ॥ यथास
माननला कस्यदःख के सुखादयंचह उचक प्रयु के सगा दुसग के ॥
नमयका संऊ थे वगानद सुन थायागमया ग नावा सर्वाय का लेंऊ गना
दिनाय कर्णो म्वक संसुख संदि नाय ॥ ॥ ऊकी आचमनयुनि कृस्वा ॥

हा॥ वलिलं स्वमय॥ गगनं कात्रनवायमलुलं नदयलिलं कागमिनम
 लुलं ननु सुकुआकात्रहं शुकयप्रगंडनमदतिगुयचुलिं कायलिह
 कुरां रुज्ज्गंडनमनु रुगमाप्रियुत्रिगुवं औकिं खं हूं मां मां यो मां वं न
 मात्मा कयात्मा मडोडर्धने॥ यनवलिलं नवाय॥ उं हूं डाय स्वाहा॥ उं ड
 माय स्वाहा॥ उं वं ननाय स्वाहा॥ उं कव्यमाय स्वाहा॥ उं अरुमाय स्वाहा॥ उं
 नेमाय स्वाहा॥ उं वायुमाय स्वाहा॥ उं हूं सानाय स्वाहा॥ उं उं हूं वक्रनस्वा

हा॥ उं सुशीगुहाधीयमय स्वाहा॥ उं चंडानकुशगुहाधियमय स्वाहा॥ उं अ
 द्यधिव स्वाहा॥ उं नागव स्वाहा॥ उं अरुत्रय स्वाहा॥ उं सर्वदिगत्मा कया
 लव स्वाहा॥ यचाय स्वात्रयुजा॥ हूं डायामहाविजात्मा कयात्मा महवि
 काकिप्रदसकाधविप्रहं नायनमासिनमासु न॥ विंदविय॥ उं विग
 नेवद्विंद्विदिवसकत्रधत्मा रासपाविंदत्रयमेति यंचात्रयं शिलसि
 वननमसकेशास्वचगालं यद्वा संधं लुत्रयं कलिमवयस्वचडिनि